जंगली जीवों के बीच

मौरिस सेनडक, हिंदी: विदूषक

जंगली जीवों के बीच

मौरिस सेनडक, हिंदी: विदूषक

उस रात मैक्स ने भेड़िये का सूट पहनकर ...

... दिल भरकर खूब शरारत की.

by MAX

तब माँ ने उसे “जंगली” कहा.

मैक्स ने माँ से कहा, “मैं तुम्हें खा जाऊंगा!”

इसलिए उस रात मैक्स को, बिना कुछ खाए सोना पड़ा.

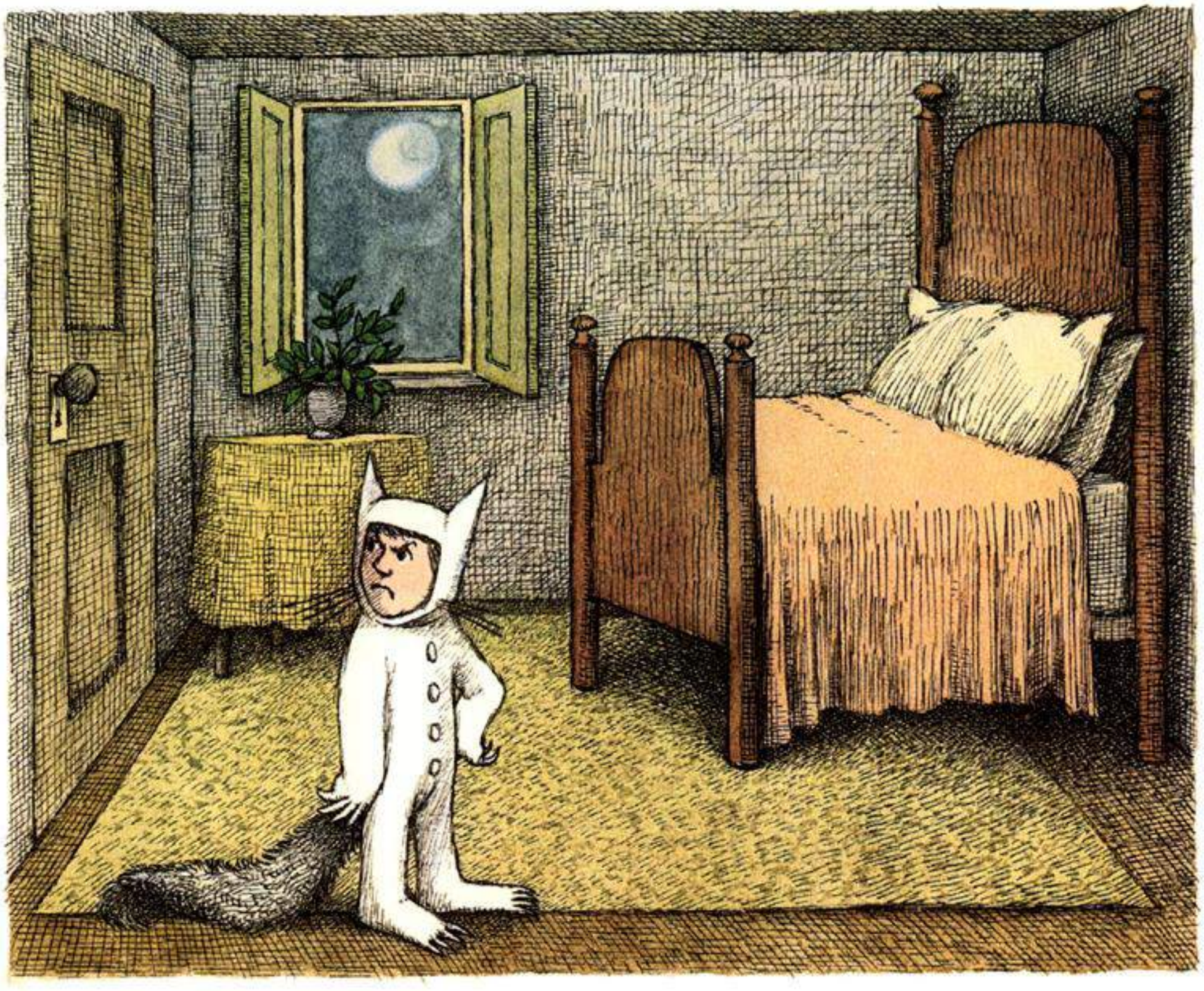

उसी रात मैक्स के कमरे में एक जंगल उगा ...

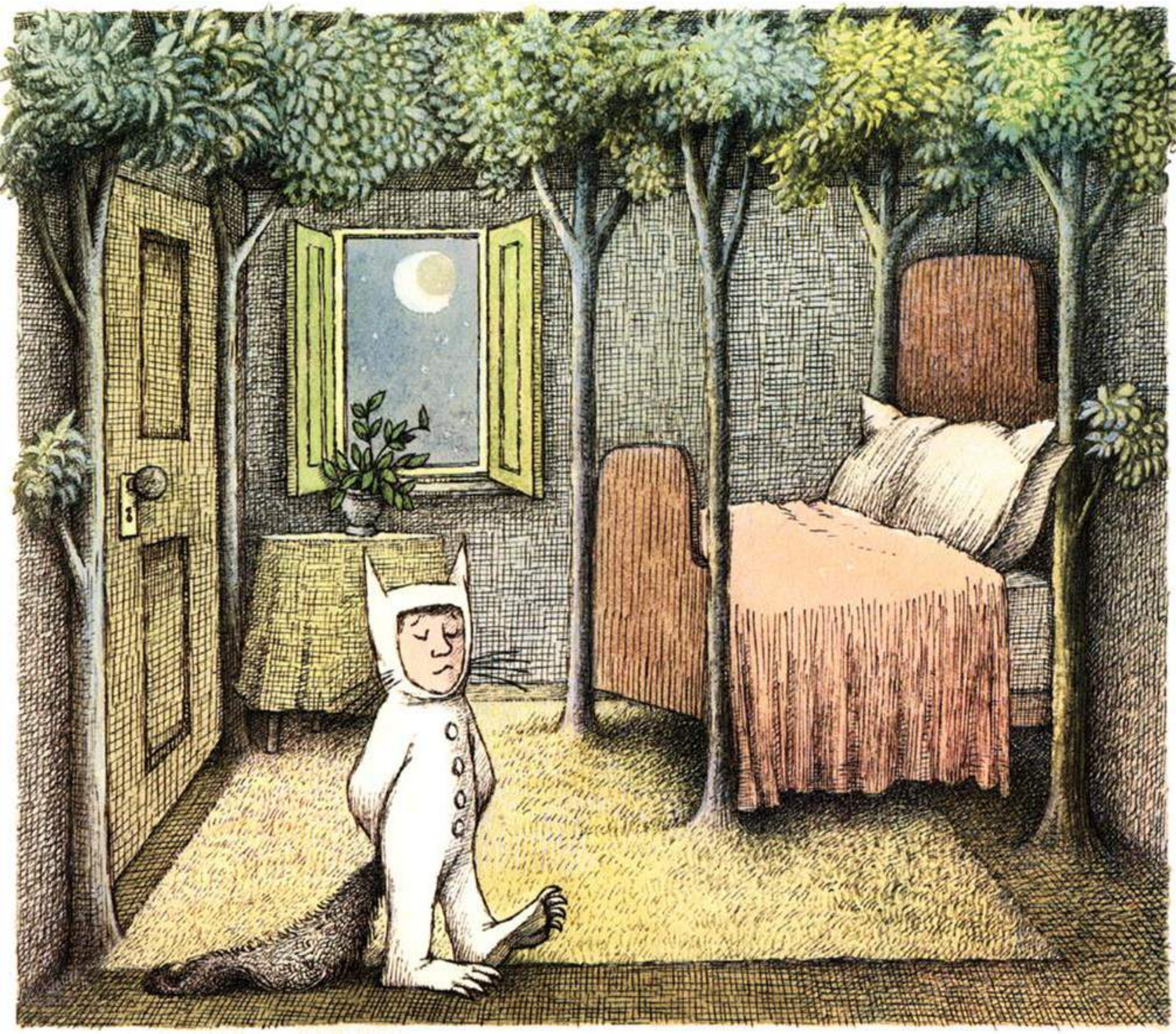

जंगल बड़ा होकर फैला ...

अंत में कमरे की छत से बेले लटकने लगीं
और दीवारें, आसपास की दुनिया बन गईं.

वहीँ पास में समुद्र बहने लगा.

मैक्स दिन-रात अपनी निजी नाव में सैर करता.

MAX

वो कई दिनों, हफ़्तों, करीब
साल भर के बाद उस इलाके में
पहुंचा जहाँ “जंगली” चीज़ें थीं.

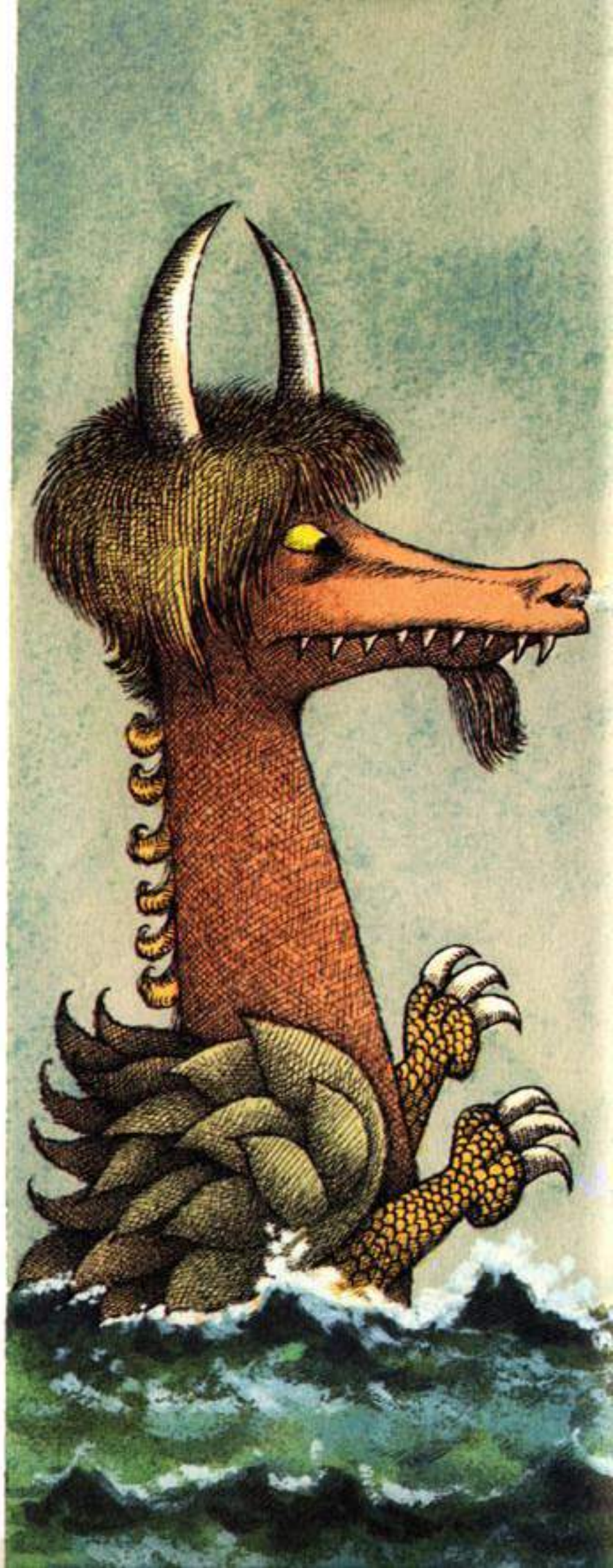

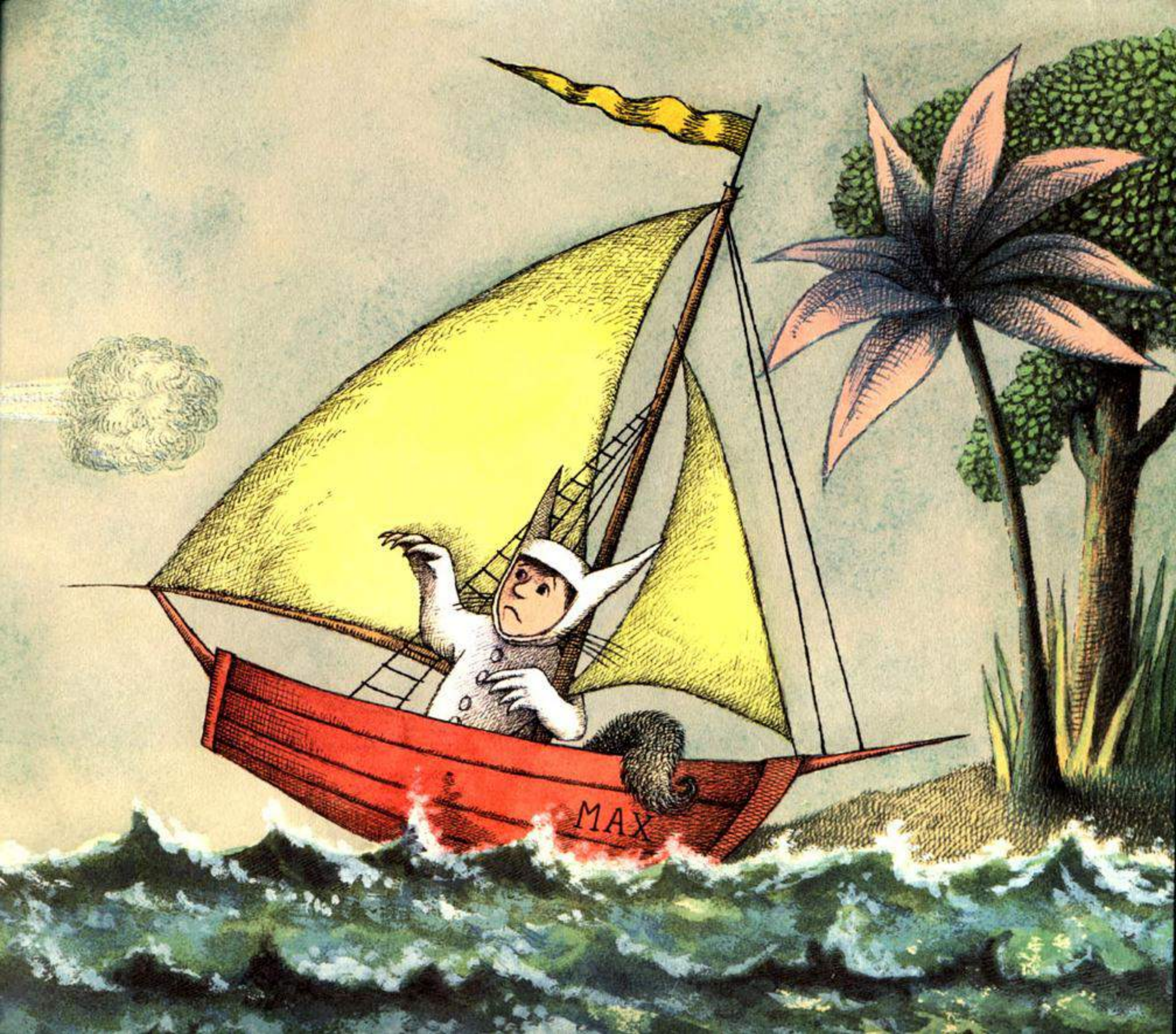
MAX

और जब वो उस स्थान पर पहुंचा जहाँ “जंगली” चीज़ें रहती थीं, तब मैक्स को देखते ही “जंगली” चीजों ने घुर्राना और अपने दांत पीसने शुरू कर दिए.

उन्होंने अपनी डरावनी आँखें मटकायीं और अपने नुकीले पंजे दिखाए.

पर तभी मैक्स ने उनसे कहा, “चुप बैठो!”

मैक्स ने अपने जादू से उन्हें एकदम चुप करा किया.

उसका जादू क्या था?

मैक्स ने बिना पलक झपके उन “जंगली” जीवों की पीली आँखों में घूरा. उससे वे सभी “जंगली” जीव डर गए और उन्होंने मैक्स को दुनिया का सबसे भयानक जीव समझा.

उन्होंने मैक्स को “जंगली” जीवों का राजा बनाया.

“अब,” मैक्स ने कहा, “सब मिलकर जंगली हुल्लड़ शुरू करो!”

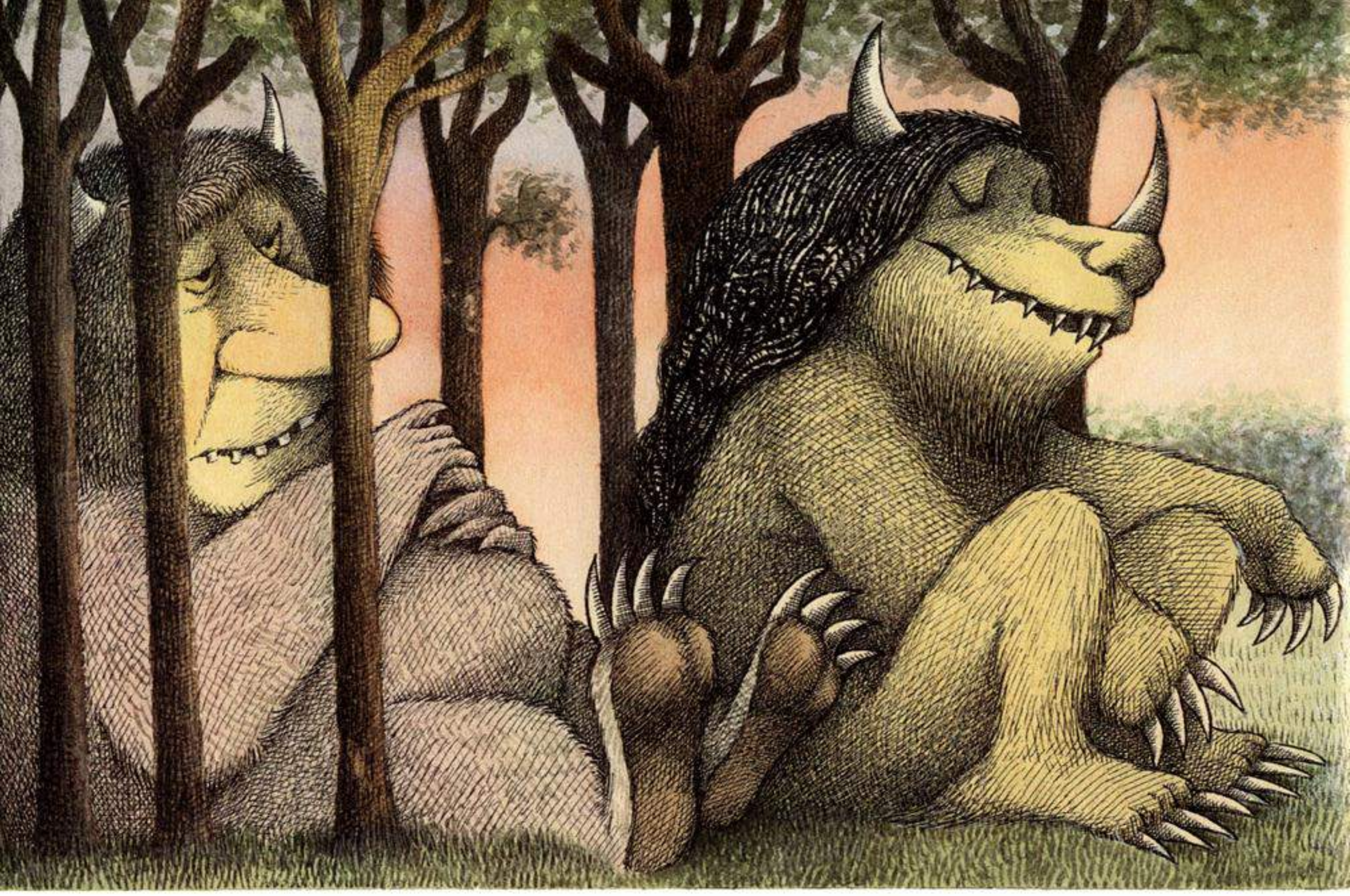

“अब बंद करो!” मैक्स ने कहा. फिर उसने उन्हें भूखे पेट सोने के लिए भेजा. उसके बाद मैक्स खुद बहुत अकेला महसूस करने लगा. वो किसी ऐसी जगह जाना चाहता था जहाँ लोग उससे प्यार करें.

फिर उसे दुनिया के एक कोने से अच्छे पकवानों की खुशबू आई. उसके बाद मैक्स ने “जंगली” जीवों के राजा का पद छोड़ दिया.

पर सभी “जंगली” जीवों ने उससे रोते हुए विनती की,
“कृपाकर मत जाओ – हम तुम्हें खा जायेंगे, क्योंकि हम तुम्हें इतना चाहते हैं!”
पर मैक्स ने कहा, “नहीं!”

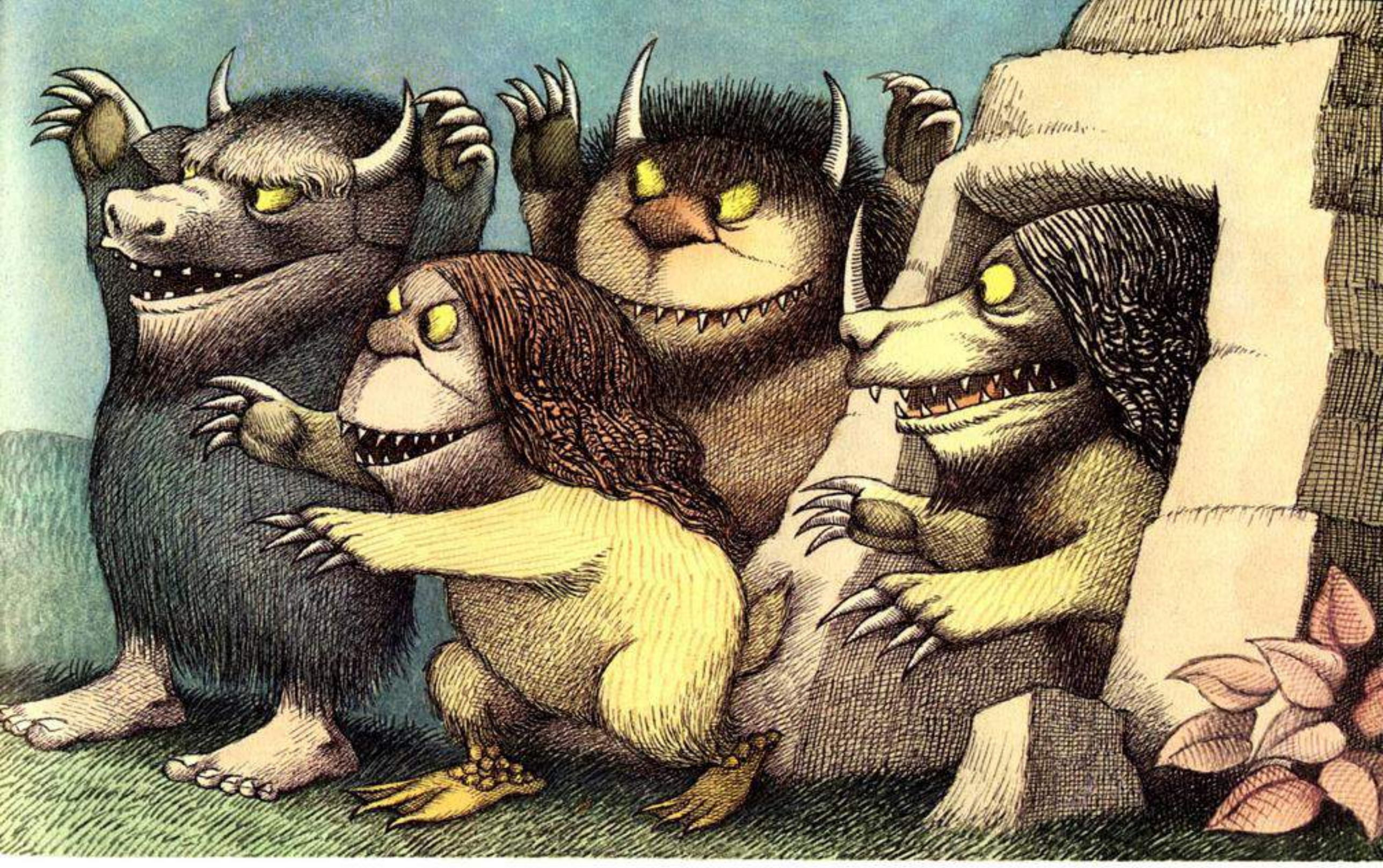

“जंगली” जीवों ने फिर से घुर्राना और अपने दांत पीसने शुरू किए. उन्होंने अपनी डरावनी आँखें मटकायीं और अपने नुकीले पंजे दिखाए. पर मैक्स जल्दी से अपनी प्राइवेट नाव में बैठा और उनसे बाई-बाई करके वहां से खिसक लिया.

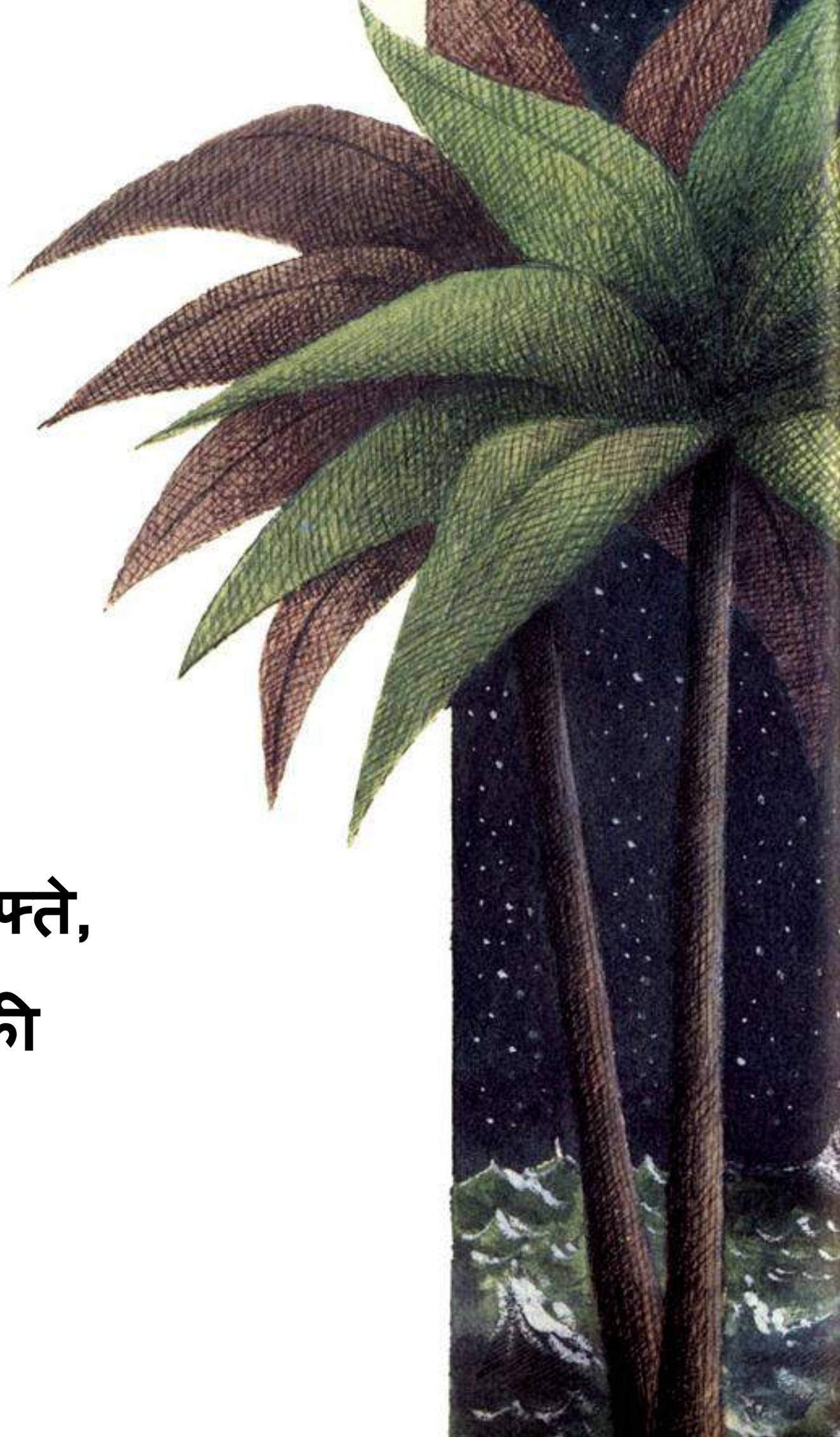

फिर वो कई दिन, कई हफ्ते,
पूरे एक साल तक नाव की
पाल को संभालता रहा.

अंत में रात को वो अपने घर के
असली कमरे में वापिस पहुंचा.
वहाँ गरमा-गरम खाना उसका इंतज़ार
कर रहा था.

पर वहां भी तेज़ गर्मी थी.

जंगली जीवों के बीच

मौरिस सेनडक, हिंदी: विदूषक